शीश पे गंगा धारे | By Chanchal Kashvi |

शीश पे गंगा धारे
माथे पे चंदा जी
गले में नाग विराजे
भोलेनाथ जी
भेष निराला जी
शीश पे गंगा धारे ------

भोले गौरा की जोड़ी
लगे है प्यारी जी
सुरतिया मन को मोहे
जाऊ बलिहारी जी
वर्णी न जाए अनोखा
भोलेनाथ जी
भेष निराला जी
शीश पे गंगा धारे ------

कैलाश पर्वत ऊपर
ढेरा है भोला जी
रहते हैं मस्त खाए
भांग का गोला जी
मस्ती में मस्त मटवाला
भोलेनाथ जी
भेष निराला जी
शीश पे गंगा धारे ------

कांधे पे कंवर सजे
बाजे हैं छम छम जी
नाचे कांवड़िया नाचे
बोले हैं बम बम जी
देवघर धाम प्यारा प्यारा
भोलेनाथ जी
भेष निराला जी
शीश पे गंगा धारे ------

डम डम डम डमरू बाजे
नाचे भोलेनाथ जी
सर पे तुम रखना सदा
प्रेम के हाथ जी
चंचल का साथ
निभाना भोलेनाथ जी
भेष निराला जी
शीश पे गंगा धारे ------

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%80%e0%a4%b6-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-chanchal-kashvi/